This question paper contains 5 printed pages.

3819

Your Roll No. .....
आपका अनुक्रमांक

B.A. Prog. / II JS

(A)

SANSKRIT DISCIPLINE— Paper II

(Dṛśya Kāvya, Śāstra Parichaya, etc.)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

NOTE:— *The maximum marks printed on the question paper are applicable for the students of the SOL / NCWEB / Non-Formal Cell. These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of Regular Colleges at the time of posting of awards for compilation of result.*

टिप्पणी:— *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक SOL / NCWEB / Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलिजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।*

P. T. O.

NOTE:— *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt all questions.

सभी प्रश्न कीजिए।

1. (*a*) निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए:

(*i*) क्षौमं केनचिदिन्दुपाण्डु तरुणामाङ्गल्यमाविष्कृतं
निष्ठ्यूतश्चरणोपरागसुभगो लाक्षारसः केनचित्।
अन्येभ्यो वनदेवताकखलैरापर्वभागोत्थितैः
दत्तान्याभरणानि नः किसलयोद्भेदप्रतिद्वन्द्विभिः॥

(*ii*) भूत्वा चिराय चतुरन्तमहीसपत्नी
दौष्यन्तिमप्रतिरथं तनयं निवेश्य।
भर्त्रा तदर्पितकुटुम्बभरेण सार्धं
शान्ते करिष्यसि पदं पुनराश्रमेऽस्मिन्॥ 4

(*b*) निम्नलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(*i*) उद्गलितदर्भकवला मृग्यः परित्यक्तनर्तनामयूराः
अपसृतपाण्डुपत्रा मुञ्चन्त्यश्रूणीव लताः॥

(*ii*) दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।
अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव॥ 4

(*c*) अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तल के चतुर्थ अंक के आधार पर कालिदास के प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए। 6

2. (*a*) निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए:

(*i*) किं मेरूमन्दरकुलं परिवर्तयामि
संक्षोमयामि सकलं मकरालयं वा।
नक्षत्रवंशमखिलं भुवि पातयामि
नाशक्यमस्ति मम देव। तव प्रसादात्।।

(*ii*) यदि लवणजलं वा कन्दरं वा गिरीणां
ग्रहगणचरितं वा वायुमार्गं प्रयासि।
मम भुजबलयोगप्राप्तसंजातवेगं
भवतु चपल! चक्रं कालचक्रं तवाद्य।। 4

(*b*) निम्नलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(*i*) महीभारापनयनं कर्तुं जातस्य भूतले।
अस्मिन्नेव गते देव! ननु स्याद् विफलः श्रमः।।

(*ii*) वनितावित्रहो युद्धे महासुरभयङ्करः।
प्रयाति गगने शीघ्रं महोल्केव विभात्ययम्।। 4

(*c*) दूतवाक्यम् के आधार पर दुर्योधन का चरित्र चित्रिण कीजिए।

अथवा

दूतवाक्यम् एक सफल व्यायोग है— समीक्षा कीजिए। 6

3. (*a*) प्रश्न संख्या 1(*a*) और 2(*a*) में रेखांकित पदों में से किन्हीं तीन में विग्रहवाक्य सहित समास का नामनिर्देश कीजिए। 3

P. T. O.

(*b*) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

नान्दी, नेपथ्य, सूत्रधार, स्थापना, अंक। 4

4. (*a*) निम्नलिखित सूत्रों में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए:

(*i*) तस्मिन्सति श्वासप्रश्वासयोर्गतिविच्छेदः प्राणायामः।

(*ii*) मैत्रीकरूणामुदितोपेक्षाणां सुखदुःखपुण्यापुण्यविषयाणां भावनातश्चित प्रसादतम्। 4

(*b*) निम्नलिखित में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए:

(*i*) यः सर्वत्रानभिस्नेहस्तत्ततप्राप्य शुभाशुभम्।
नाभिनन्दन्ति न द्वेष्टि तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठिता।।

(*ii*) ध्यायतो विषयान् पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
सङ्गातसंजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते।। 4

(*c*) तनाव-प्रबन्धन में पातञ्जल-योगसूत्र का क्या महत्त्व है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार स्थितप्रज्ञ का वर्णन कीजिए। 7

5. (*a*) निम्नलिखित मन्त्रों में से किसी **एक** की व्याख्या कीजिए:

(*i*) आप इद्वा उ भेषजीरापो अमीवचातनीः।
आपः सर्वस्य भेषजीस्तास्ते कृण्वन्तु भेषजम्।।

(*ii*) वात आ वातु भेषजं शंभु मयोभु नो हृदे।
प्र ण आयूंषि तारिषत्।। 4

(*b*) वैदिक-साहित्य में वर्णित भूमि संरक्षण अथवा वृक्ष संरक्षण पर एक निबन्ध लिखिए। 6

6. मनुस्मृति के सातवें अध्याय के अनुसार राजा के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।

अथवा

कौटिल्य अर्थशास्त्र में वर्णित शुल्कव्यवहार की चर्चा कीजिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(*i*) ऋग्वेद पर एक लघु निबन्ध लिखिए।

(*ii*) ब्राह्मणग्रंथों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(*iii*) संस्कृत नाटक साहित्य को कालिदास, भास एवं विशाखदत्त का क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्यों एवं ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

(*v*) धर्मशास्त्र में प्रतिपादित विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

(*vi*) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

आरण्यक, कालिदास, मनुस्मृति, आचार्य दण्डी, पाणिनि।

$10 \times 3 = 30$